Top 23 Popular “Kabir ke Dohe” in English and Hindi Meaning

February 5, 2021 by संत

“Kabir ke Dohe” with English and Hindi Meaning – कबीर दास के दोहे इंग्लिश और हिंदी में अर्थ सहित

संत कबीर दास एक समाज सुधारक हैं। **कबीर दास ने अपने लेखन और नेक दोहे** से समाज को सुधारने का काम किया। आज **कबीर दास द्वारा लिखे गया दोहे** मनुष्य को मानवता का पाठ पढ़ाता है। हमने कबीर दास द्वारा लिखित अद्भुत दोहे को यहां हिंदी और अंग्रेजी में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

आज लोग हर जगह **कबीर के दोहे** को याद करते हे। अपने में नित्य जीवन में कबीर याद करते हे। **कबीर दास जी से लिखे हुवे दोहे** का विशेषता ही ऐसे हे वो सामान्य लोगो को बी आसानी से समाज जाते हे।

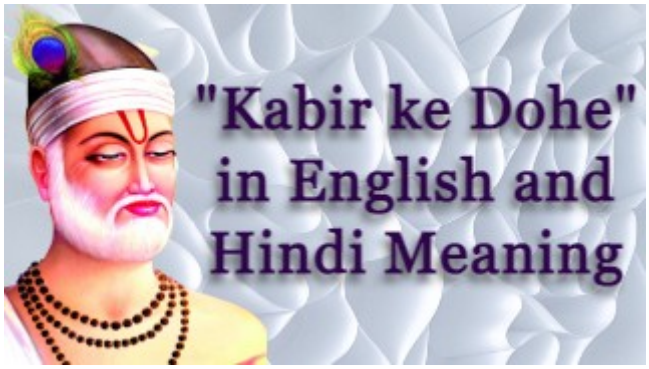

“Kabir ke Dohe” in English and Hindi Meaning

In English – **Sant Kabir Das** is a social reformer. Kabir worked to improve society through his writings and couplets **(Dohe)**. Today, the couplet**(Dohe)**, written by **Kabir Das**, teaches man the lesson of humanity. We have tried to present the beautiful couplets**(Kabir Ke Dohe)** written by **Kabir Das** in Hindi and English.

Today people remember **Kabir ke dohe** everywhere. Kabir remembers himself in his daily life. The specialty of the **Dohe written by Kabir Das** is such that he quickly goes to society.

> **कबीर के राम**
>
> कबीर के राम तो अगम हैं और वे संसार के कण-कण में विराजते हैं। कबीर के राम इस्लाम के एकेश्वरवादी, एकसत्तावादी खुदा भी नहीं हैं। इस्लाम में खुदा या अल्लाह को समस्त जगत एवं जीवों से भिन्न एवं परम समर्थ माना जाता है। पर कबीर के राम परम समर्थ भले हों, लेकिन समस्त जीवों और जगत से भिन्न तो कदापि नहीं हैं। बल्कि इसके विपरीत वे तो सबमें व्याप्त रहने वाले रमता राम हैं। वह कहते हैं – **According to Wikipedia**
>
> *Read full article on wikipedia*

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #1

तिनका कबहूँ न निंदिये जो पावन तर होए । कभू उडी अँखियाँ परे तो पीर घनेरी होए ॥

Kabir ke dohe with meaning in hindi language

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की किसी तिनके को पावों के नीचे नहीं रौंदना चाहिए अर्थात किसी दुर्बल, असहाय के ऊपर अत्याचार नहीं करना चाहिए क्योंकि जब दुर्बल उठ के वार करेगा तो बहुत पीड़ा होगी, जैसे तिनका यदि आँख में उड़ के चला जाए तो बहुत व्यथा होती है.

Also Check This:- Top 200+ Kabir Ke Dohe With Hindi Meaning

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says that you should not oppress the weak, as you should not trample a speck because when that weak person counter-

attacks, it will be very painful just like a speck of dust in the eye can cause a lot of discomforts.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #2

गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूं पाँय । बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो मिलाय ॥

Kabir ke dohe with meaning in hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर है. यदि दोनों एक साथ खड़े हो तो किसे पहले प्रणाम करना चाहिए. किन्तु गुरु की शिक्षा के कारण ही भगवान् के दर्शन हुए हैं.

Kabir ke dohe meaning in English

Here **Sant Kabir Das says**. The teacher is even higher than God. He says, if teacher and God are both in front of me, who will I greet first. He then says it is only because of the teacher's teaching that I can see God.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #3

अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप,

अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।

Kabir ke dohe with hindi meaning

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की न तो अधिक बोलना अच्छा है, न ही अधिक चुप रहना ही ठीक है. जैसे बहुत अधिक वर्षा भी अच्छी नहीं और बहुत अधिक धूप भी अच्छी नहीं है. अतः हमें संयम के साथ रहना चाहिए।

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir das says in this couplet that too much of anything is bad, so one must exercise control and be moderate in everything. Too much talking is not good; neither is too much quietness. Just like how too much rain is not good, and neither is too much sunshine.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #4

कबीरा खड़ा बाज़ार में, सबकी मांगे खैर. ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर.

Kabir ke dohe meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की सबके बारे में भला सोचो . ना किसी से ज्यादा दोस्ती रखो और ना ही किसी से दुश्मनी रखो.

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says that you should always think well of everyone. Do not be over-friendly with anyone, nor should you be hostile to anyone.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #5

साँई इतना दीजिए जामें कुटुंब समाय ।
मैं भी भूखा ना रहूँ साधु न भुखा जाय॥

Kabir ke dohe meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की हे भगवान् मुझे ज्यादा नहीं चाहिए. बस इतना दीजिये,जिस में उसके परिवार का भरण-पोषण हो जाए. और यदि कोई अतिथि आये, तो उसका सत्कार भी कर सके.

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das request God to give only as much so that he can feed his family, and if any guest comes, he should be able to feed him too. It means you should only have what you need, no use having too much.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #6

माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर ।
कर का मन का डार दे, मन का मनका फेर ॥

Kabir ke dohe meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की ये उन लोगों के ऊपर कटाक्ष है जो धर्मभीरु होते हैं. कबीर कहते हैं कि माला फेरने से कुछ नहीं होता. धर्मभीरुता छोड़ के अपने मन को बदल.

Kabir ke dohe meaning in English

In this Dohe kabir says, This is sarcasm on people who follow religion blindly. Kabir says you spent your life turning the beads of a rosary, but could not turn your own heart. Leave the rosary and try and change the evil in your heart.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #7

दुर्बल को न सताइये, जाकी मोटी हाय | मरी खाल की सांस से, लोह भसम हो जाय ||

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की किसी को दुर्बल या कमज़ोर समझ कर उसको नहीं सताना चाहिए, क्योंकि दुर्बल की हाय या शाप बहुत प्रभावशाली होता है. जैसे मरे हुए जानवर की खाल को जलाने से लोहा तक पिघल जाता है.

Kabir ke dohe meaning in English

Kabir says that you should not oppress somebody weak, thinking that person cannot do you any harm. Weak person's curse can do you great harm just like hide from a dead animal can melt even iron.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #8

बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि, हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि।

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की वाणी एक अमूल्य रत्न के समान है। इसलिए वह ह्रदय के तराजू में तोलकर अर्थात सोच समझ कर ही उसे मुंह से बाहर आने देना चाहिए.

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir das says that speech is like a priceless jewel. So, when someone speaks, one must think many times and then speak.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #9

बडा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर। पंथी को छाया नही फल लागे अति दूर ॥

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की सिर्फ बड़े होने से कुछ नहीं होता. उदाहरण के लिए खजूर का पेड़, जो इतना बड़ा होता है पर ना तो किसी यात्री को धूप के समय छाया दे सकता है, ना ही उसके फल कोई आसानी से तोड़ के अपनी भूख मिटा सकता है .

Kabir ke dohe meaning in English

This kabir ke dohe says It is no use being very big or rich if you can not do any good to others. For example, the Palm tree is also very tall, but it is of no use to a

traveler as it provides no shade, and the fruit is also at the top, so no one can eat easily.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #10

कहे कबीर कैसे निबाहे , केर बेर को संग
वह झूमत रस आपनी, उसके फाटत अंग .

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की भिन्न प्रकृति के लोग एक साथ नहीं रह सकते. जैसे केले और बेर का पेड़ साथ साथ नहीं लगा सकते. क्योंकि हवा से बेर का पेड़ हिलेगा और उसके काँटों से केले के पत्ते कट जायेंगे.

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says people of different natures can not live together. As if Banana and Ber trees are planted near each other, Ber tree will swing in the air, and banana tree leaves will get torn by its thorns.

****

Also Read This:- Kabir Das Biography in Hindi – कबीर दास जी के जीवन कथा

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #11

माटी कहे कुम्हार से, तु क्या रौंदे मोय ।
एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूगी तोय ॥

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की मिटटी कुम्हार से कहती है कि आज तो तू मुझे पैरों के नीचे रोंद रहा है . पर एक दिन ऐसा आएगा जब तू मेरे नीचे होगा और मैं तेरे ऊपर होउंगी . अर्थात मृत्यु के बाद सब मिटटी के नीचे ही होते हैं .

Kabir ke dohe meaning in English

In this kabir dohe says, Soil, tell the pot maker, you think you are kicking me and kneading me with your feet. There will be a day when you will be below me (after death), I will knead you.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #12

पाथर पूजे हरि मिले , तो मैं पूजू पहाड़ . घर की चाकी कोई ना पूजे, जाको पीस खाए संसार

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की यदि पत्थर कि मूर्ती कि पूजा करने से भगवान् मिल जाते तो मैं पहाड़ कि पूजा कर लेता हूँ .
उसकी जगह कोई घर की चक्की की पूजा कोई नहीं करता , जिसमे अन्न पीस कर लोग अपना पेट भरते हैं .

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says people worship idols made from stone. If it was possible to reach God this way, he would worship a Hill. Instead, no one worships home flour mill, which gives us the flour to eat.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #13

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय |

औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय |

Meaning in Hindi

कबीर दास इस दोहे में कहते हे की ऐसी वाणी में बात कीजिये, जिससे सब का मन भाव विभोर हो जाए। आपकी मधुर वाणी सुनकर आप स्वयं भी शीतल हो और जो सुने वो भि प्रसन्न हो जाए।

Kabir ke dohe meaning in English

Kabir das says in this couplet that one should speak in such sweet language, which makes everyone happy, not just yourself but also others who listen to you.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #14

तिनका कबहुँ ना निंदिये, जो पाँव तले होय ।

कबहुँ उड़ आँखो पड़े, पीड गहरी होय ॥

Kabir ke dohe meaning in English

Should not abuse a blade of grass under one's feet. If that happens to strike on one's eye, then there will be terrific pain.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #15

श्रम से ही सब कुछ होत है, बिन श्रम मिले कुछ नाही

सीधे ऊँगली घी जमो, कबसू निकसे नाही ||

Kabir ke dohe meaning in English

Efforts can accomplish everything. Nothing can be accomplished without making efforts. A purified butter that is frozen cannot be taken out with a straight finger.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #16

मन उन्मना न तोलिये, शब्द के मोल न तोल |

मुर्ख लोग न जान्सी, आपा खोया बोल ||

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says When your mind is raged, then you should not react to the words. One does not have any means for the valuation and weight of words. The fools do not understand this and lose their balance while talking.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #17

पहले शब्द पहचानिये, पीछे कीजे मोल |

पारखी परखे रतन को, शब्द का मोल ना तोल ||

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says First, you should understand what has been said by others. Then you can make the valuation of the words that you have listened to. A goldsmith can test the purity of gold. One does not have any means for the evaluation and weight of words.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #18

नारी पुरुष सब ही सुनो, यह सतगुरु की साख |

विष फल फले अनेक है, मत देखो कोई चाख ||

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says Listen to everybody to the preaching of a good preacher. There are many ways of sensual enjoyment. But one should abstain from any such way.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #19

शब्द बराबर धन नहीं, जो कोई जाने बोल |

हीरा तो दामो मिले, शब्द मोल न टोल ||

Kabir ke dohe meaning in English

Sant Kabir Das says in this dohe Good at speaking understands that there is no wealth like words. A diamond can be purchased for value. One does not just have any means for the valuation of the word.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #20

पढ़ा सुना सीखा सभी, मिटी ना संशय शूल |

कहे कबीर कैसो कहू, यह सब दुःख का मूल ||

Kabir ke dohe meaning in English

One may read, listen, and learn everything. But after doing all this, he has confusion. Kabir is at pains to explain that confusion is the root of sorrow.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #21

विषय त्याग बैराग है, समता कहिये ज्ञान ।

सुखदाई सब जीव सों, यही भक्ति परमान ॥

Kabir ke dohe meaning in English

They were being detached means renouncing the sensual pleasures. Knowledge means equanimity. Devotion means creating happiness for all beings.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #22

परनारी का राचणौ, जिसकी लहसण की खानि ।

खूणैं बेसिर खाइय, परगट होइ दिवानि ॥

Kabir ke dohe meaning in English

A desire for other's wife is like a mine of garlic. A person can eat garlic hiding from all. But the fact of his having consumed garlic is clear to anyone who meets him.

****

Kabir ke dohe – कबीर के दोहे #23

कबीर दर्शन साधु के, करत ना कीजै कानि ।

जो उधम से लक्ष्मी, आलस मन से हानि ॥

Kabir ke dohe meaning in English

Don't shirk to meet the right person. An intoxicated or lethargic mind causes loss of wealth.

****

Conclussion

इस पोस्ट पे हम **कबीर के दोहे (kabir ke dohe with meaning in hindi language**) और उसके साथ इन दोहे के अर्थ हिंदी और इंग्लिश भाषा पे देने के कोशिश किये हे। **कबीर दास के दोहे के अर्थ** बताने के कोशिश करना ही मुश्किल हे क्यों की संत **कबीर दास जी** की हर एक दोहे बहुत अर्थ देदेता हे। हम यहाँ सिर्फ कोशिश किये हे। अगर आपको हमारे इस काम अचे लगे तो इस पोस्ट को शेयर करे और हमें सपोर्ट करे।